

RUS-4888

B.A. Annual (Regular) Examination, 2018

(For Regular Students Only)

HINDI - I

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(A-113)

(Unified Syllabus)

Time : Three Hours /

[Maximum Marks : 50

नोट : प्रश्न प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से निर्देशानुसार प्रश्न करना है। कुल पाँच प्रश्न हल करने हैं।

खण्ड - अ

1. सभी प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :  $2 \times 10 = 20$ 
  - (i) सरहना के काव्य का क्या प्रतिपाद्य था?
  - (ii) छन्द स्रष्टा किसे कहा जाता है और क्यों?
  - (iii) 'संदेश रत्नक' कैसी रचना है? उसके रचनाकार का नाम लिखिए।
  - (iv) अमीर खुसरो ने किस दाय यंत्र का आविष्कार किया था?

- (v) मीराबाई ने अपने पदों की रचना किस शैली में की थी?
- (vi) 'ऊषा निर्मल सूर' से कबीरदास का क्या अभिप्राय है?
- (vii) पद्मावती किस तिथि में और किसके साथ मानसरोवर पर स्नान करने आई?
- (viii) तुलसीदास ने छत्र और कहां 'रामचरित मानस' की रचना की थी?
- (ix) किस साहित्यिक कृति को हिन्दी साहित्य की 'रत्नपेटिका' कहा जाता है?
- (x) भूषण ने औरंगजेब को किस असुर का अवतार बताया है और क्यों?

खण्ड - ब

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:  $4 \times 2 = 8$ 
  - (i) पारब्रह्म के तेज का, कैसा है उनमान।  
कहिये कूँ सोभा नहीं, देख्या ही परवान।  
अंतरि केवल प्रकाशिया, ब्रह्म वास्त तहाँ होई।  
मन भँवरा तहाँ लुपधियो, जाणोगा जन कोई।
  - (ii) आयौ घोष वडाँ ब्यापारी।  
लादि खेप गुरु ज्ञान-जोग की ब्रज में आय उतारी।।  
फाटक दै कर हाटक मोगत, भरि निपट सु धारी।  
धुर हि तै खोटो खायो है लये फिन्दू सिर भारी।।

- (ii) साहि सिखाज औ सिपाहिन मे फातराह,  
अचल सुरिया केते जिनके सुभाव है।  
भूषन भनत परी शत्रु रन सिवा धाक,  
कौमत रहत न गहत धित भाव है।  
अवह विमल जल कलिंदी के तट-केसो,  
परे युद्ध विपति के मारे उमराव है।  
नाव भरि बेगम उतारै बांटी होगा भरि,  
साहि मिसि मज्जा उतरत दरियाव है॥

खण्ड - द

4. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए:  $7 \times 1 = 7$
- (i) जायसी के काव्य के अनुभूति पक्ष एवं अभिव्यक्ति पक्ष पर प्रकाश डालिए।
- (ii) "सूर का 'भरगीत' भाव प्रेरित व्यक्तियों का अक्षय भण्डार है।" प्रमाण सहित उत्तर दीजिए।

खण्ड - इ

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए:  $7 \times 1 = 7$
- (i) विहारी को पहले भक्त कवि माना गया है, बाद में शृंगारी कवि, इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं? प्रमाण सहित उत्तर दीजिए।
- (ii) घनानन्द का रीतिकाल की स्वच्छन्द काव्य धारा में क्या स्थान है? स्पष्ट कीजिए।

- इनके कहे कौन दृष्टव्य ऐसे कौन-अजानी?  
अपनी दूध छौंटे को पीवै, खासक्य की पानी॥  
उपरी ऊहू सवार यहाँ से बेगि गहरु जनि लावै।  
मुहमौंगी पीहो सूरज प्रभु साहूहि अनि दिखावै॥
- (iii) बघयो बघिऊ परयो पुन्य जल अष्टि उठई घोष।  
तुलसी घालक प्रेमपट भरतहु लगी न खोष ॥  
बरपि परस्य पाहन पयडे, मय करी टुक टुक।  
तुलसी परी न चाहिरे, छतुर छातकहि पूक॥

खण्ड - स

3. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:  $4 \times 2 = 8$

- (i) नर की अरुनात-नोर को, ति एक करि ओइ।  
अतौ नीचौ है छलै, सेतौ ऊँचौ होइ॥  
बढ़त बढ़त संपति सलितु, मन-सरोजु, बढ़ि जाइ।  
घटत घटत सु न फिरि घटै, वरु समूल कुम्हिलाइ॥
- (ii) मरिचो बिसरामागनै वह तौ, यह बापुरी मीत तज्यौ  
तरसै।  
वह रूप छटा न सहारि सकै, यह तेज तवै चितवै बरसै।  
घनआनंद कौन अनोखी दसा, नति आवरी बावरी है  
धरसै।  
विछरै मिलै मीन-पतौंग-दसा कहा मो जिय की गति को  
परसै॥